

DPN 7013

कुब्जिका उवाच KUBJIKĀ KĀWACA

Title :

Run. No. 7738

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 9.0 x 19.0

Folios 5

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 1947

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

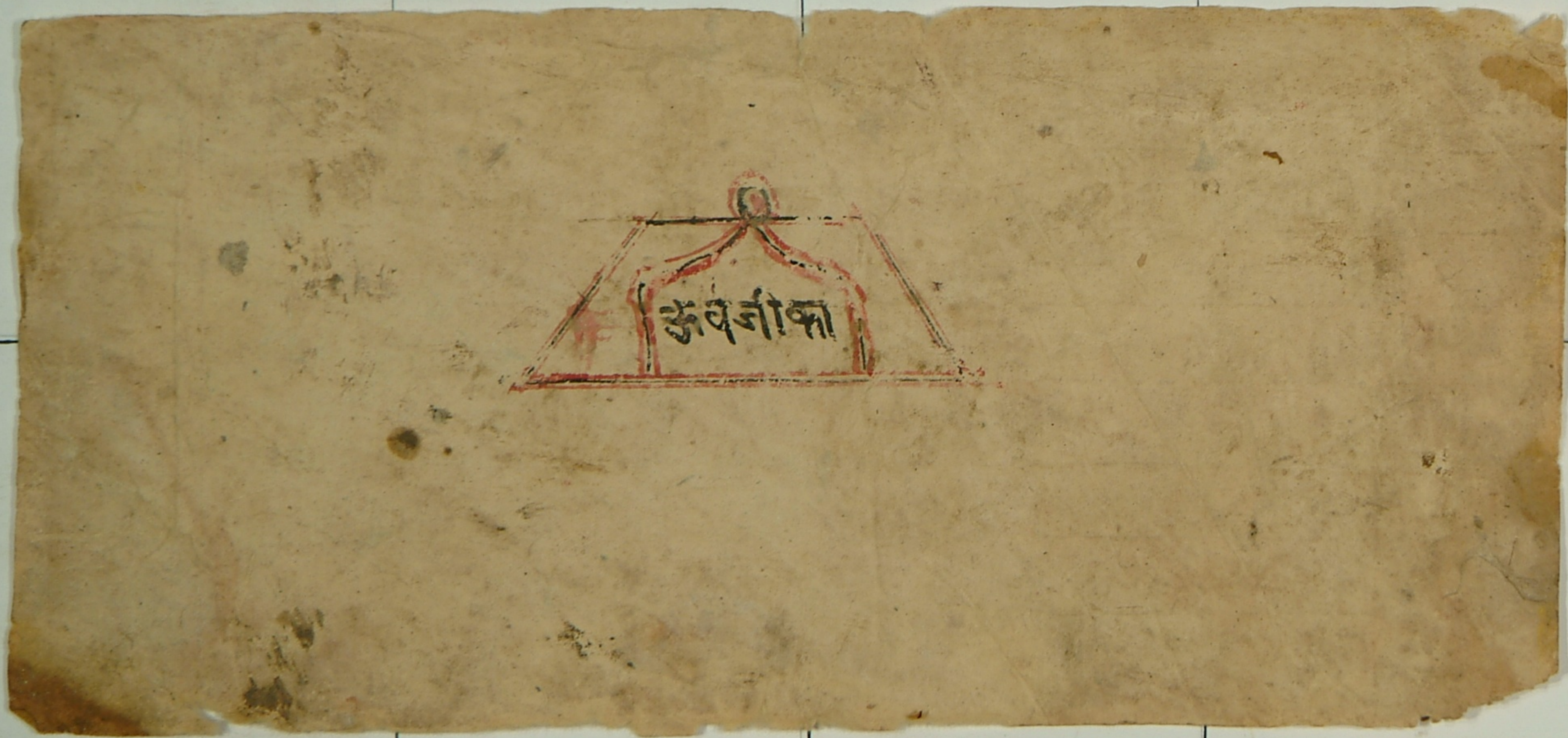
Beginning, colophon, post-colophon :

Beg. ॐ नमः श्री कुब्जिकायै नमः ॥ ॥ श्री कालिका उवाच ॥

P.T.O.

८०१. इति .. दानैर्ना .. - सदाशिव सं. ... कका
.. दि .. तला .. न सम्पूर्णा समाप्त .. शुभ ॥

इति सम्बत् १९४७ साल भाद्रपद सुदि - .. मा होण्याको ॥



कुवर्जीका

0 CMS.

5

10

15

20

25

॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री
कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ ॥ श्री कृष्णाय नमः ॥

स्तोत्रस्यास्य त्रिभिर्देविस्तदाशिव उदाहृत ॥ छन्दोऽनुष्टुप्
ताद्या कालिकापरिकीर्तिना ॥ ४ ॥ धर्मार्थकाममोक्षेयुषिति
योगप्रकीर्तित ॥ ॥ ॐ अस्य श्रीमदाद्या कालीकास्तोत्रस्य
श्रीमदाशिवस्य विरतद्वन्द्वीमदाद्या कालीकादेवताध
र्मार्थकाममोक्षार्थे पाठो विनियोगः ॥ ॥ कालीश्रीकालीच
लीकल्याणीकलावती ॥ ५ ॥ कमलाकलीदर्पणीकप

दीशकपाचिना ॥ कालीका कालीमाताच कालीनसमस्त
ती ॥ ६ ॥ कपर्दिनीकरालास्याककुरामृतसागर ॥ क
पमयीकनाधाराकपावारकपागमा ॥ ७ ॥ कृमातुक
पिताकृष्णानन्दविवर्द्धनी ॥ कालरात्रिकालकृपाकृष्ण
सविमोचिनी ॥ ८ ॥ कादंबिनेकाराचारकनिकंत्मक
नी ॥ कुमारपूजनप्रीताकुमारिपूजकालवा ॥ ९ ॥ कुमा

३२॥

रीभोजनार्नदाकुमारीकृन्धारीणी ॥ कदम्बवत्सर्वाकारकद
म्बवत्ताहिनी ॥ १० ॥ कदम्बपुष्पसौतोषाकदम्बपुष्पमा
लिनी ॥ किशोरिकलकलठीचकलनादनिनादिनी ॥ ११ ॥
कादम्बरिपानरताः तथाकादम्बरिप्रिया ॥ कपालपात्र
निरताः कंकालमालधारिणी ॥ १२ ॥ कमलासनसूतक
मलासनवासिनी ॥ कमलालयमध्यस्थाकमलामातृमेदिनी

॥ १३ ॥ कलहंसगति केवनाशिनी कामपिली ॥ कान्ठ
पक्ष्मवासा कामपिठविलाशिनि ॥ १४ ॥ कमनीयशृणा
शब्दा कोमलीगी कशोदरी ॥ कमनीयाकटपलटाकम
नीयविभुषणा ॥ १५ ॥ कान्तनसीतोषाकरणा नन्दनिधि ॥ १६ ॥
दा ॥ करुणानन्दजायेष्टाकरणा च न हविता ॥ १७ ॥ कार
णार्णवसंमग्नाकारणीव्रतपाविनी ॥ कस्तुरिसौरमा.

कोदकस्तुरितेजसा ॥ १८ ॥ कस्तुरिपुनरता कस्तु
रिपुनरता ॥ कस्तुरिदातननी कस्तुरिमन्तोषि
नी ॥ १९ ॥ कस्तुरिभोजनप्रेता कस्तुरिभोजनप्रेता ॥
कर्पूरमालामरणा कर्पूरचन्दन ॥ २० ॥ कर्पूरक
मृणास्वादकर्पूरमन्तपायिनी ॥ कर्पूर ॥ कर्पूर
कर्पूरसागरलया ॥ २१ ॥ कर्चिकिज्ज ॥ कर्चिकिज्ज

परायणा ॥ कुलीराण कोलीका राधाः कोलिकपिप
 रिणि ॥ २१ ॥ कलाचारकोतुकीनीः कलनागप्रदि
 ती ॥ काशिचरिफहृवीः काशिहाददावेनी ॥
 २२ ॥ काशिश्चरुतामोदाः काशिचरिचोरमा ॥ २३ ॥
 मेजिह्वरणा कणाकाचीविभूषणा ॥ २४ ॥ काचनार
 कतागार कोचनचललोमुदी ॥ कामविजयधानका

सुदिनि ॥ पतेनापावहायिः पुण्डुयाद्वावरेदपि ॥ ४५ ॥
 ४६ ॥ सदेवपवित्रमुक्तौवदपुष्पमापुष्पात् ॥ ४७ ॥
 विजयनिर्मादानी ॥ ४८ ॥ सदाः शिवमयी ॥ ४९ ॥
 ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥
 शतेपावत् ॥ ५६ ॥ सालभादशुदि ॥ ५७ ॥ मोलेकाको

